सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी	
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य	
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : धनुषभंग एवं व्याकरण	
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६ ०१ ०३ ०४ ०१ ०४ ०० ०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण पौराणिक मिथकों का स्वरूप जानें ।
- छात्रगण सीता के पात्र के माध्यम से भारतीय नारी जीवन की मर्यादा को जानें ।
- छात्र सीता के पात्र की विशेषता को जानें ।
- छात्रगण पौराणिक अल्पज्ञात चरित्रों को समझे ।
- छात्रगण भारतीय कृषि-संस्कृति की परम्परा को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी खण्ड काव्य : उद्भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य का कथानक				
		खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'धनुषभंग' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का मूल्यांकन				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'धनुषभंग' काव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	'धनुषभंग' खण्डकाव्य में आधुनिक भाव-बोध				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में निरूपित आधुनिक समस्याएँ				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में संवाद-योजना				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
	ईकाई-४	प्रेसनोट				
		अनुवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में प्रकृति-चित्रण – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य की भाषा शैली – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का ज्ञान-बोध – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में अलंकार एवं छंद-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा । ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	पाठ्य पुस्तक : धनुषभंग संपादक : किशोर काबरा प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी भावना : शैल कुमारी – हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहबाद
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य में नारी : डॉ. सरला हुआ – साहित्य निकेतन, कानपुर
३. आधुनिक कविता का विकास : समाजिक सांस्कृतिक संदर्भ में : डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल 'तरूण' – यतीन्द्र साहित्य सदन, भीलवाड़ा (राज.)
४. आधुनिक हिन्दी काव्य में रामकथा : डॉ. रामनाथ तिवारी – किताब महल, पटना
५. आधुनिक कृष्ण काव्य में युगबोध : डॉ. परविन्दर कौर – भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी कविता–विकास के आयाम : नीरज ठाकुर – चिन्तन प्रकाशन, राजस्थान
७. 'उत्तर रामचरितम्' और आधुनिक हिन्दी प्रबन्ध काव्य परंपरा : डॉ. कृष्णा गोपाल मिश्र – रचना प्रकाशन, जयपुर
८. कृष्णभक्ति – काव्य : द्वापर : डॉ. सुरेशचन्द्र झा 'किकर' – संस्कृति प्रकाशन, अहमदावाद
९. खड़ीबोली रामकाव्यों में चित्रित समाज और संस्कृति : डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर
१०. खड़ीबोली के रामकाव्य में युग चेतना : डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव – राहुल पब्लिशिंग, मेरठ
११. गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. अम्बाशंकर नागर – हिन्दी साहित्य, अकादमी
१२. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – चिन्त प्रकाशन, कानपुर
१३. डॉ. किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – शान्ति प्रकाशन, आसन, रोहतक, हरियाणा
१४. 'धनुष–भंग' : एक अनुशीलन : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – दिव्या प्रकाशन, हीरा वाडी, नरोडा रोड, अहमदाबाद
१५. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध : उर्वशी शर्मा – बोहरा प्रकाशन, जयपुर
१६. नवमें दशक की हिन्दी कविता : डॉ. यतीन्द्र तिवारी – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१७. 'नारी–शोषण'–समस्याएँ एवं समाधान : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१८. भारतीय जनता तथा संस्थाएँ : रवीन्द्रनाथ मुकर्जी
१९. भारतीय नारी अस्मिता और अधिकार : आशारानी व्होरा – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
२०. भारतीय नारी : वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान – डॉ. आर. पी. तिवारी एवं डॉ. डी.डी. पी. शुक्ला – ए.पी. एच. पब्लिशींग कोर्पोरेशन, नई दिल्ली
२१. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान : डॉ. शुक्ल उमा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२२. भारतीय स्त्री : सांस्कृति संदर्भ : प्रतिभा जैन एवं संगीता शर्मा –
२३. भारतीय समाज में नारी : प्रज्ञा शर्मा – पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
२४. भारतीय समाज में नारी : सुनीता जैन, संगीता गोयल – आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर
२५. भारतीय संस्कृति में नारी : डॉ. सिंहल लता – परिमल पब्लिशर्स, शक्तिनगर, दिल्ली
२६. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व : सोती वीरेन्द्र चंद्र – राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली
२७. महाभारत कालीन नारी : डॉ. श्रीमती स्कालस्टिका कुजूर – इन्स्टर्न बुक लिंकर्स, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली
२८. महाभारत कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य : डॉ. राघवप्रसाद पाण्डेय – साहित्य रत्नालय, कानपुर
२९. महिला एवं विकास : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३०. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. सुभद्रा पाटिल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
३१. रामायण का आचार दर्शन : अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
३२. रामायण में नारी : डॉ. अर्चना विश्नोई – परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
३३. रामकाव्यों में नारी : डॉ. विद्या – प्रकाशन संस्थान
३४. वैदिक वाङमय में नारी : डॉ. सुषमा शुक्ला – विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
३५. सीता समाधि : राजेश्वरी अग्रवाल – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३६. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
३७. हिन्दी रामकाव्य में नारी : डॉ. पूर्णिमा केड़िया – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३८. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास बदलते युगबोध के परिप्रेक्ष्य में : प्रेमचन्द माहेश्वरी – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
३९. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४०. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४१. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
४२. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
४३. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
४४. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
४५. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४६. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष - २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	०८								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी छायावादोत्तर काव्य : छायावादोत्तर काव्य-वैभव								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य-प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्रगण छायावादी एवं छायावादोत्तर कविता की प्रवृत्तियों का अंतर समझे ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य की रचना-सृजन प्रक्रिया को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हरिवंशराय बच्चन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से ‘मधुशाला’ काव्य का मूल्यांकन				
		हालावादी काव्य प्रवृत्ति के आधार पर ‘मधुशाला’ काव्य का मूल्यांकन				
		‘जो बीत गई सो बात गई’ काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अज्ञेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से ‘नदी के द्वीप’ काव्य का मूल्यांकन				
		‘नदी के द्वीप’ काव्य में व्यक्त अस्तित्ववाद				
		नागार्जुन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई-३	‘साँप’ काव्य की व्यंग्यात्मकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से ‘अकाल और उसके बाद’ काव्य का मूल्यांकन				
		‘अकाल और उसके बाद’ काव्य में व्यक्त क्रूर महाजनी सभ्यता				
		‘अकाल और उसके बाद’ कविता में व्यक्त आधुनिक भारत की सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था				
	ईकाई-४	धूमिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		‘मोचीराम’ काव्य का भावार्थ				
		साम्यवादी समाजव्यवस्था के संदर्भ में ‘मोचीराम’ काव्य का मूल्यांकन				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से ‘रोटी और संसद’ काव्य का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'जो बीत गई सो बात गई' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'प्रेत का बयान' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'मधुशाला' काव्य का शीर्षक – 'साँप' काव्य में व्यक्त नगर की व्यवस्था – 'रोटी और संसद' काव्य में व्यक्त प्रशासन व्यवस्था – 'नदी के द्वीप' काव्य की प्रतिकात्मकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादोत्तर काव्य–वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी–१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. गजानन माधव मुक्ति बोध और उनका काव्य : डॉ. संजीवसिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. छायावादोत्तर हिन्दी कविता : डॉ. आलोक गुप्त – गुजरात युनिवर्सिटी
३. सर्वेश्वर : मुक्तिबोध और अज्ञेय : डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. समसामयिक हिन्दी साहित्य : उपलब्धियाँ : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त, नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी साहित्य : सच्चिदानन्द वात्स्यायन – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
६. अज्ञेय का काव्य : एक विश्लेषण : डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र – विद्यामंदिर बेंग्लौर – २
७. अज्ञेय : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
८. 'अज्ञेय' कवि : डॉ. ओमप्रकाश अवस्थी – ग्रन्थम्, कानपुर
९. तार सप्तक के कवि : काव्य के शिल्प के मान : डॉ. कृष्णलाल – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
११. नयी कविता की पहचान : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१२. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष – राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–१
१३. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१४. दिशान्तर, सं. डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी : अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
१५. क्रांति दर्शी कवि धूमिल : डॉ. वी. कृष्ण – सीता प्रकाशन, हाथरस
१६. नया काव्य : नये मूल्य : ललित शुक्ल – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, दिल्ली
१७. हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका : प्रभाकर क्षोत्रिय – दि मैकमिलन ऑफ इंडिया, दिल्ली
१८. बच्चन : पत्र, यादें, मुलाकातें : सं. डॉ. श्यामसुन्दर घोष – उमेश प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. अज्ञेय एक अध्ययन : डॉ. भोलाभाई पटेल – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
२०. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
२१. आज के लोकप्रिय कवि बच्चन : चन्द्रगुप्त विद्यालंकार – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	०९							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०४	०९	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी उपन्यास परम्परा में आँचलिक उपन्यासों के स्थान विषय को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन की महत्ता प्रतिपादित होंगी ।
- छात्रगगण ठेठ भारतीय बोली का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण नगरजीवन एवं ग्रामीणजीवन की तुलना करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गंगामैया' उपन्यास का कथानक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गंगामैया' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	आँचलिक उपन्यास के रूप में 'गंगामैया' की समीक्षा				
		'गेगामैया' उपन्यास के चरित्रों का चित्रांकन				
		'गंगामैया' उपन्यास की संवाद योजना				
	ईकाई–३	'गंगामैया' उपन्यास की आँचलिकता				
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा शैली				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त ग्राम–चेतना				
	ईकाई–४	'गंगामैया' उपन्यास निरूपित समस्याएँ				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जमीनदारी प्रथा				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना – 'गंगामैया' उपन्यास का उद्देश्य – 'गंगामैया' उपन्यास में निरूपित समाज–व्यवस्था – 'गंगामैया' उपन्यास का अन्त – 'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : गंगामैया** **संपादक : भैरवप्रसाद गुप्त** **प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

१. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल

२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे

३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी

४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरुष : डॉ. संध्या मेरिया

५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे

६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर–१२

७. द्वितीय महायुद्धेत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा

११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी – रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद

१२. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तीवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा

१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी – क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली

१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा

१६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट

१७. हिन्दी प्रभुख गद्यकार और उनका गद्य साहित्य : ढॉ. मिलत जे. भालोडिया – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१०							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, रीतिकाल							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०४	१०	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भक्ति की विकासवादी दृष्टि को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण तुलसी की मानवतावदी एवं समन्वय दृष्टि को जानें ।
- छात्रगण सूरदास की ग्राम चेतना को समझे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से लौकिक प्रेम और अलौकिक प्रेम का सबंध जानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की सृजनात्मक प्रतिभा को पहचानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की राष्ट्रीय भावना से परिचित होंगे ।
- छात्रगण भक्तिकाल एवं रीतिकाल की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	सगुण शाखा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		राममार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास				
		राममार्गी काव्यधारा के गौण कवि				
		तुलसीदास की भक्तिभावना				
	ईकाई–२	राममार्गी एवं कृष्णमार्गी काव्यधाराकी तुलना				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृतियाँ				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि सूरदास				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा के गौण कवि				
		सूरदास की भक्तिभावना				
		निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की तुलना				
	ईकाई–३	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि				
		रीतिकाल का नामकरण एवं सीमा निर्धारण				
		रीतिकालीन काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		रीतिकालीन काव्य : रीतिबद्ध, रीतिमुक्त एवं रीति सिद्ध काव्य				
		रीतिकाल के प्रमुख एवं गौण कवि				
	ईकाई–४	रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि घनानंद का परिचय				
		रीतिबद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख केशव का परिचय				
		रीतिसिद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि बिहारी का परीचय				
		रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की तुलना				
		रीतिकालीन भक्ति काव्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - रामचंद्रिका - रसखान - बिहारी सतसई - भूषण की राष्ट्रीयता - रीतिकालीन गद्य साहित्य - रीतिकालीन लक्षण-ग्रंथों की परम्परा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ.बी.के.कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकी कृपा ऑफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल - नागरि प्रचारिणी सभा, काशी
३. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप - जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
४. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ धूरेलाल शर्मा - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
५. भक्ति-काव्य के पुनर्मूल्यांकन में उपयोगी संदर्भ : डॉ. रामनाथ शर्मा - महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
६. हिन्दी के काव्यकार : दमोदरदास गुप्त एवं आदित्येश्वर कौशिक - आर्गस पब्लिशींग कंपनी, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग - आदिकाल, भक्तिकाल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
८. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग - शृंगार काल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
९. बिहारी और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा - भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
१०. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार पक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल - आस्था प्रकाशन, दिल्ली
११. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१२. मीराँबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१३. बिहारी-सतसई : सं. श्री लक्ष्मीनिधि चतुर्वेदी - भारतवासी प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. रसखान का काव्य : चन्द्रशेखर पांडे - सुलभ साहित्य-माला
१५. बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास - 'रत्नाकर', तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
१६. हिन्दी स्वच्छन्दावाती काव्य : डॉ. प्रेमशंकर - मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, इलाहाबाद
१७. हमारे मुस्लिम संत कवि : कृ. गो. वानखेडे गुरुजी - प्रकाशन विभाग, दिल्ली
१८. कविताकली : तुलसीदास - अनु. इन्द्रदेवनारायण - गीता प्रेस गोरखपुर
१९. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र - इलाहाबाद
२०. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया - पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२१. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल - प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
२२. स्वामिनारायण संप्रदाय के प्रमुख अष्टकवियों के काव्यों में कृष्णभक्ति एवं 'प्रकीर्णम्' - डॉ. एच. टी. ठक्कर, विद्याविवेक प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा - भगवती प्रकाशन, राजकोट